आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 17.07.2025 समय : 0705

<><><><><><><>

- केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने विद्यार्थियों में स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए स्कूलों से तेल बोर्ड स्थापित करने को कहा है।
- भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने मृत व्यक्तियों के आधार नंबरों को निष्क्रिय करके आधार डेटाबेस को सटीक रखने के लिए कदम उठा रही हैं।
- यूटी आत्मा द्वीपों के विभिन्न ब्लॉकों में खरीफ अभियान, प्रदर्शन और प्रशिक्षण का आयोजन कर रही है।
- युवा मामले एवं खेल मंत्रालय ने द्वीपसमूह में तीन नए खेलो इंडिया केंद्रों की स्थापना को मंजूरी दी है।

<><><><><><><>

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड–सीबीएसई ने विद्यार्थियों में स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए स्कूलों से तेल बोर्ड स्थापित करने को कहा है। सभी स्कूल प्रमुखों को लिखे एक पत्र में सीबीएसई ने उनसे पौष्टिक और स्वास्थ्य वर्धक भोजन विकल्पों की उपलब्धता और गतिविधि उपायों के माध्यम से स्कूलों में स्वस्थ भोजन और शारीरिक गतिविधियों को बढ़ावा देने को कहा है। बोर्ड ने विद्यार्थियों को सीढ़ियों का उपयोग करने, छोटे व्यायाम अवकाश आयोजित करने और पैदल चलने के मार्गों को सुगम बनाने के लिए भी कहा है। वैश्विक रोग भार–जीबीडी 2021 मोटापा पूर्वानुमान अध्ययन के अनुसार भारत में अधिक वजन और मोटापे से पीड़ित वयस्कों की संख्या 2021 में 18 करोड़ से बढ़कर 2050 तक लगभग 45 करोड़ होने

का अनुमान है, जिससे यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोटापे वाला देश बनने की आशंका है।

<><><><><><><>

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने मृत व्यक्तियों के आधार नंबरों को निष्क्रिय करके आधार डेटाबेस को सटीक और विश्वसनीय बनाए रखने के लिए सकारात्मक कदम उठाए हैं। इसके लिए, यूआईडीएआई ने आधार कार्ड निष्क्रिय करने के संबंध में एक करोड़ 55 लाख मृतकों का पता लगाने के लिए भारत के महापंजीयक के साथ सहयोग किया है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भारत के महापंजीयक ने नागरिक पंजीकरण प्रणाली का उपयोग करके 24 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लगभग एक करोड़ 55 लाख लोगों के मृत्यु रिकॉर्ड यूआईडीएआई को उपलब्ध कराए हैं। समुचित सत्यापन के बाद करीब एक करोड़ 17 लाख आधार नंबर निष्क्रिय कर दिए गए हैं। बयान में कहा गया है कि गैर–सीआरएस राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में भी ऐसी ही प्रक्रिया चल रही है। अब तक लगभग 6 लाख सत्तर हजार मृत्यु रिकॉर्ड प्राप्त हो चुके हैं, और उनके आधार नम्बर निष्क्रिय करने का कार्य प्रगति पर है। यूआईडीएआई ने पिछले महीने माय आधार पोर्टल पर एक नई सेवा 'परिवार के मृतक सदस्य की सूचना' भी शुरू की है। मंत्रालय ने कहा कि इस पोर्टल से लोग अपने परिवार के सदस्यों की मृत्यु के बारे में सूचना दे सकते हैं।

<><><><><><><>

जिला स्तरीय दस्त रोको अभियान 2025 का शुभारंभ कल "दस्त की रोकथाम, सफाई और ओआरएस से रखें अपना ध्यान" के नारे के साथ दक्षिण अंडमान जिला

उपायुक्त अर्जुन शर्मा ने किया। कार्यक्रम में उप–मंडल मजिस्ट्रेट विनायक चमड़िया, सहायक आयुक्त अभिषेक गुलिया भी उपस्थित थे। जिला उपायुक्त ने कार्यालय परिसर से मोबाइल आईईसी वैन को हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर ज़िला उपायुक्त ने अपने संबोधन में कहा कि डायरिया पाँच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर का एक प्रमुख कारण बना हुआ है और समय पर कार्रवाई, सामुदायिक भागीदारी और प्रभावी सेवा वितरण, बच्चों की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। जिला प्रशासन ऐसे लक्षित सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों के माध्यम से एक स्वस्थ और अधिक सुदृढ़ जिले के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। यह अभियान 31 अगस्त तक जारी रहेगा। एक विशेष मोबाइल आईईसी वैन दक्षिण अंडमान जिले में ऑडियो संदेश प्रसारित करेगी और सुरक्षित स्वच्छता प्रथाओं, स्वच्छ पेयजल, स्वच्छता और दस्त के दौरान ओआरएस और जिंक के महत्व पर शैक्षिक सामग्री प्रदर्शित करेगी। इसके अलावा जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। अभियान का प्रमुख उद्देश्य हाथ धोने, सुरक्षित जल उपयोग और स्वच्छता के बारे में ध्यान केन्द्रित करना है।

<><><><><><><><>

केंद्रशासित प्रदेश कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी–यू टी आत्मा कृषि विभाग के सहयोग से, द्वीपसमूह के विभिन्न ब्लॉकों में खरीफ अभियान, प्रदर्शन और प्रशिक्षण का आयोजन कर रही है। इसका उद्देश्य वैज्ञानिक फसल प्रबंधन पद्धतियों को बढ़ावा देने, कृषि लाभप्रदता में सुधार लाने, भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने और किसानों एवं विस्तार प्रणाली के बीच संबंध को मजबूत करना है। इस सिलसिले में मायाबंदर, कार निकोबार और ननकौड़ी में

खरीफ अभियान का आयोजन किया गया। अभियान के दौरान, किसानों के बीच कृषि संबंधी विभिन्न पहलों और सर्वोत्तम पद्धतियों के बारे में व्यापक जागरूकता पैदा की गई। इस अवसर पर भारत सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों जैसे प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और किसान क्रेडिट कार्ड सहित विभिन्न विभागीय और केंद्र प्रायोजित योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। इसके अलावा, आय विविधीकरण के लिए मधुमक्खी पालन जैसी संबद्ध गतिविधियों के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया।

<><><><><><><>

युवा मामले एवं खेल मंत्रालय ने भारतीय खेल प्राधिकरण के सहयोग से द्वीपसमूह में तीन नए खेलो इंडिया केंद्रों की स्थापना को मंजूरी दे दी है। ये केंद्र मध्योत्तर अंडमान ज़िले में हॉकी के लिए और निकोबार ज़िले में वॉलीबॉल और फुटबॉल के लिए स्थापित किए जाएँगे। इसका उद्देश्य पूरे द्वीपसमूह में जमीनी स्तर के खेलों को बढ़ावा देना और युवा प्रतिभाओं को निखारना है। यह मंजूरी प्रशासन के खेल एवं युवा मामले निदेशालय द्वारा क्षेत्र में खेल बुनियादी ढाँचे और कोचिंग की पहुँच का विस्तार करने के लिए किए गए प्रयासों का परिणाम है। अब द्वीपसमूह में स्वीकृत खेलो इंडिया केंद्रों की कुल संख्या आठ हो गई है। इसके अंतर्गत निकोबार जिला के बीजेआर स्टेडियम में बैडमिंटन, कामोर्टा के इंदिरा पार्क ग्राउंड में वॉलीबॉल, कैंपबेल बे के मिनी स्टेडियम फुटबॉल ग्राउंड में फुटबॉल, मध्योत्तर अंडमान जिले के बाराटांग में हॉकी, डिगलीपुर में तीरंदाज़ी और दक्षिण अंडमान जिले के नेताजी स्टेडियम में एथलेटिक्स, पोर्ट माउट में मुक्केबाज़ी और पुलिस लाइन में कयाकिंग शामिल हैं।

<><><><><><><>

अंडमान निकोबार द्वीप समूह में खेलो इंडिया केंद्रों के लिए पूर्व चैंपियन एथलीटों की नियुक्ति अनुबंध के आधार पर की जाएगी। यह नियुक्ति एक वर्ष के लिए होगी और चयनित एथलीटों को 25 हजार रुपये प्रति माह दिए जाएंगे। इच्छुक उम्मीदवार निर्धारित प्रारूप में डाक द्वारा या सीधे खेल एवं युवा मामले निदेशालय, के कार्यालय में आवेदन कर सकते हैं। पात्रता मानदंड और आवेदन पत्रों की जानकारी विभाग की आधिकारिक वेबसाइट और राज्य पोर्टल पर उपलब्ध है। आवेदन सत्रह जुलाई से इक्कतीस जुलाई शाम 5.00 बजे तक किए जा सकते हैं।

<><><><><><><>

सावन माह के दौरान भगवान शिव की आराधना के लिए चिन्मय मिशन 20 जुलाई रविवार को मरीना पार्क से मिशन तक कावड़ यात्रा का आयोजन करेगा। यात्रा सुबह 7 बजे से शुरू होगी। यात्रा के दौरान भक्त मरीना पार्क से समुद्र का जल एकत्र कर मिशन के मंदिर में अभिषेक करेंगे। सुबह 9 बजे श्री रुद्राभिषेक होगा और उसके बाद प्रसाद वितरण होगा।

<><><><><><><>

#fromsoiltosoul थीम के साथ कल मसाला महोत्सव–2025 का आयोजन किया गया। इस महोत्सव में पर्यटकों, स्थानीय लोगों, पर्यटन प्रशिक्षुओं और हितधारकों ने भाग लिया। पर्यटन विभाग द्वारा, आयोजित इस महोत्सव के दौरान द्वीपसमूह की समृद्ध मसाला विरासत की संस्कृति और भोजन पर ध्यान केन्द्रित किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को क्षेत्र के कुछ बेहतरीन मसाला उत्पादक स्थलों का दौरा कराया गया, जहाँ प्रतिभागियों को जैविक खेती के तरीकों के के बारे में बताया गया। लाइव कटाई प्रदर्शनों से लेकर कुकिंग सत्र का भी

आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रतिभागियों को भागीदारी प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

<><><><><><><><>